में हुई हानि का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

कोयले के उत्पादन में हानि (लाख टन में)

माह	ई०को०लि०	भा०को०को० लि०	से०को०लि०	जोड़
जून, 90	2.75	2.00	1.00	5.75
जुलाई, 90	3.94	2.15	1.70	7.79

(ग) कोयला खानों में बिजली की आपूर्ति में सुधार करने के लिए कुछ उठाए गए सुधारात्मक कदम नीचे दिए गए हैं :—

(1) बिजली की आपूर्ति की स्थिति पर लगातार निगरानी तथा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, पूर्वी क्षेत्रीय विद्युत बोर्ड, डी०वी०सी०, एन०टी०पी०सी०, बिहार राज्य विद्युत बोर्ड तथा कोल इंडिया लि० के बीच निकटतम समन्वय रखना ताकि कोयला कंपनियों को प्राथमिकता के आधार पर बिजली की आपूर्ति की जा सके।

(2) नार्दन ग्रिड तथा उड़ीसा से डी०वी०सी० पद्धति को अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति।

(3) कोयला कंपनियों के पास उपलब्ध लघु कैप्टिव विद्युत आपूर्ति यूनिटों का लगातार प्रचालन।

(4) कोयला तथा गैर-कोयला आपूर्ति फीडरों का पृथक्करण।

दामोदर घाटी निगम द्वारा बिजली की पूर्ति

731. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दामोदर घाटी निगम, बिहार और पश्चिमी बंगाल को बिजली की पूर्ति करने की स्थिति में नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ग) इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) से (ग) दामोदर घाटी निगम, पूर्वी क्षेत्र एवं बिहार तथा पश्चिमी बंगाल में पड़ने वाले घाटी क्षेत्र में स्थित रेल, कोयला एवं इस्पात के प्रमुख क्षेत्रों को या प्रत्यक्ष या इन राज्यों के बिजली बोर्डों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर बिजली की आपूर्ति करता है। अप्रैल-जून, 1990 की अवधि के दौरान, दा०घा०नि० प्रणाली में विद्युत की उपलब्धता 1411 मिलियन टन थी, जबकि मांग 1760 मिलियन यूनिट थी। बिजली की उपलब्धता में कमी, डी०वी०सी० यूनिटों जिनमें से कई यूनिटें बहुत पुरानी हैं के समक्ष आने वाली जबरन बन्दी आदि जैसी कई प्रचालनात्मक समस्याओं के कारण है। दा० घा० नि० में बिजली की उपलब्धता की अनुपूर्ति करने के लिये पड़ौस स्थित प्रणालियों से यथासम्भव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

Revival and rehabilitation of Cycle Corporation of India Limited and National Bicycle Corporation of India Limited

732. SHRI SUNIL BASU RAY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are considering the revival and rehabilitation of Cycle